भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4045 का उत्तर

तिरुचिरापल्ली-करूर-सेलम रेलवे लाइन और करूर-इरोड रेलवे लाइन

4045. श्री दुरई वाइको:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तिरुचिरापल्ली-करूर-सेलम रेलवे लाइन और करूर-इरोड रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो चुकी है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन दोहरीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने और आवश्यक निधि आवंटित करने का विचार है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने, निधि के आवंटन करने और दोहरीकरण कार्यों के आरंभ होने की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): क्षमता संवर्धन के लिए, हाल ही में 986 करोड़ रुपए की लागत पर इरोड-करुर (67 कि.मी.) के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, संपर्कता में सुधार के लिए, सेलम-करुर-दिंडुक्कल दोहरीकरण (159 कि.मी.) और तिरुच्चिरापल्लि-करुर दोहरीकरण (76 कि.मी.) का अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) पूरा हो गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के बाद, परियोजना को मंजूरी देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों जैसे कि नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं को मंजूरी

देना एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, निश्चित समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

तमिलनाडु:-

रेल बजट:-

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	7,611 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:-

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	923 कि.मी.
2014-26	1,356 कि.मी.

स्वीकृत परियोजनाएं:-

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 27,282 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 1,874 किलोमीटर लंबाई की 19 परियोजनाएं (8 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 08 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	811	24	1,514
आमान परिवर्तन	3	748	631	3,605
दोहरीकरण/बहुपथन	8	314	54	3,693
कुल	19	1,874	709	8,811

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
5	मयिलादुतुरई-कारैक्कुडि आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1,338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर- अरक्कोणम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	तंजावुर-पोनमलाई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
10	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2,000
11	चेन्नै बीच-अट्टीपट्टु चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
12	ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
13	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम - चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1,122
14	सेलम-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
15	मदुरै - तूत्तुक्कुडि दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1,891
16	मनियाची-नागरकोविल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1,752
17	चेन्नै बीच - चेन्नै एंषुबूर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272

चल रही परियोजनाएं:-

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नगरि नई लाइन (184 किलोमीटर)	3,631
2	मोरप्पूर-धर्मापुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	त्रिवेंद्रम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	4,494
4	इरुगूर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	277
5	ताम्बरम-चेंगलपट्टु चौथी लाइन (30 किलोमीटर)	757
6	अत्तिपट्टु-गूम्मिडिपूण्डी तीसरी और चौथी लाइन (23 किलोमीटर)	365
7	तिरुपति-काटपडी दोहरीकरण (105 किलोमीटर)	1,216
8	तिण्डिवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	1,400
9	अत्तिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 किलोमीटर)	1,700
10	बैयप्पनहल्लि से होसूर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	1,160
11	अरक्कोणम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण (68 किलोमीटर)	993
12	ईरोड-करुर दोहरीकरण (67 किलोमीटर)	986

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,612 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,178 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,434 हेक्टेयर (74%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम - तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अतिपट्टु - पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर - धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	93	47	46
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	204	0	204
5.	तंजावूर - पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुष्कोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया था। परियोजना की आधारशिला 01.03.2019 को रखी गई थी। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं हो सकी क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधि की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****